>

Title : Alleged recovery of 15 live cartridges from the bag of the Home Minister of Rajasthan at Delhi Airport.

श्री अर्जुन राम मेघवाल (बीकानेर): उपाध्यक्ष महोदय, इस महत्वपूर्ण विषय पर बोलने के लिए समय देने हेतु मैं आपका धन्यवाद करते हुए दिनांक 30 जनवरी, 2011 की एक घटना का जिक्र करना चाहता हूं। मैं राजस्थान से आता हूं।**......*** राजस्थान के गृह मंत्री 30-01-2011 को जैट एयरवेज से दिल्ली से जयपुर की यात्रा कर रहे थे और हवाई अड्डे पर उनके पास 15 जिन्दा कारतूस पकड़े गए। वे 0.32 बोर के थे। मैं आपके माध्यम से इतना ही कहना चाहता हूं कि यह 30 जनवरी 2011 की घटना है, वे जैट एयरवेज से यात्रा कर रहे थे और हवाई अड्डे पर केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल द्वारा पकड़े गए और फिर उन्हें उसी फ्लाइट से जाने दिया गया। मैं पूछना चाहता हूं...(व्यवधान)

SHRI V. NARAYANASAMY: Hon. Speaker will write to the Minister. Let her get a reply. Then, only it can be raised. ...(*Interruptions*)

श्री अर्जुन राम मेघवाल : स्वामी जी, मैं सिर्फ इतना ही कहना चाहता हूं। आप कृपया सुन तो लीजिए। मैं किसी पर दोषारोपण नहीं कर रहा हूं। आप मेरी बात तो सुन लीजिए। **...**(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय, मैं संक्षेप में ही पूछ रहा हूं। मैं सिर्फ इतना ही कहना चाहता हूं कि क्या हवाई अड्डे पर यदि आम आदमी 15 जिन्दा कारतूसों के साथ पकड़ा जाता, तो क्या उसी जहाज से उसे जयपुर जाने दिया जाता, मैं यह सवाल आपके माध्यम से सरकार से करना चाहता हूं और कहना चाहता हूं कि इसकी इन्क्वायरी होनी चाहिए? एयरपोर्ट वाले पानी की बोतल भी नहीं ले जाने देते और 15 जिन्दा कारतूस मिले फिर भी उन्हें कैसे छोड़ दिया गया? इसकी इन्क्वायरी होनी चाहिए। जनता आपसे जानना चाहती है कि क्या सरकार आम आदमी और खास आदमी के लिए कानून में अन्तर करती है? यह सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है। इसलिए इसकी इन्क्वायरी होनी चाहिए और इसका जवाब दिया जाना चाहिए।

श्री महेश जोशी (जयपुर): उपाध्यक्ष महोदय, यह गलत दोषारोपण है। इस प्रकार से बिना सुबूत के माननीय सदस्य को इस प्रकार से किसी के ऊपर दोषारोपण नहीं करना चाहिए। **...**(व्यवधान)

...(व्यवधान) * *

उपाध्यक्ष महोदय : आप दोनों बैठिए। किसी भी माननीय सदस्य का भाषण अब रिकॉर्ड में नहीं जाएगा। प्लीज आप बैठिए। आपस में टोका-टोकी नहीं कीजिए। बैठ जाइए। किसी का भी भाषण रिकॉर्ड पर नहीं जा रहा है।

...(व्यवधान)ओ *